उपचार

अतिशीघ्र शिशु न्यूरोलोजिस्ट से परामर्श लेना चाहिए।

मुख्य दवाईयाँ

- कोर्टिकोस्टिरोइड (Corticosteriod)
- विगाबेट्रिन (Vigabatrine
- पाईरीडोक्सिन (Pyridoxin)

अन्य सहायक दवाईयाँ

- नाइट्रोजेपाम (Nitrozepam)
- टोपिरामेट (Topiramate)

भविष्य

यदि समय पर अतिशीघ्र शिशु न्यूरोलोजिस्ट द्वारा उपचार किया जाता है तो इनफैन्टाइल स्पाज्म आना शीघ्र बंद हो जाते है। किन्तु बहुत बार ऐसे शिशुओं में धीमा विकास होता है। उचित समय पर उपचार प्रारंभ होने पर सही विकास की सम्भावनाऐं बढ़ जाती है, फिर भी यह सब पूर्व में मस्तिष्क का कितना नुकसान (Brain Damage) हुआ है इस पर भी निर्भर करता है।

JAIPUR CHILD NEURO CARE

इनफेन्टाइल स्पाज्म (वेस्ट सिण्ड्रोम)

सूचना पत्र

DR. VIVEK JAIN
Child Neurologist and Epileptologist
MD(PGI, Chandigarh), FRCPCH(UK)
CCT(UK) child Neurology

www.jaipurchildneuro.com
vivekchildneuro@gmail.com

Appointment / Helpline No: 0141-4156680

प्रस्तावना

यह सूचना माता पिता को समझने में मदद करने के लिये लिखी गई है। जब शिशुओं में इन्फेन्टाइल स्पाज्म (वैस्ट सिण्ड्रोम) आता है तो माता-पिता की इसके बारे में जानने की जिज्ञासा होती है कि यह बीमारी क्या है? इसका ज्ञान, निदान व प्रबन्धन जटिल होता है। इसलिये माता-पिता के लिये यह जानना महत्वपूर्ण है। ताकि जिससे अपने शिशु या बच्चे को जिस डॉक्टर से परामर्श व उपचार ले रहे हैं उनसे उन आवश्यक सवालों पर चर्चा कर सकें। यह एक तरह की मिर्गी का रूप है।

Infantile spasm are a medical emergency -

Do you know the signs?

1841 में डॉ. वैस्ट ने अपने बेटे जैम्स में देखा कि उसमें इनफेन्टाइल स्पाज्म हो रहे हैं, अतः इसी आधार पर इस स्थिति को वैस्ट सिण्ड्रोम के नाम से भी जाना जाता है।

कारण

सारी जांचों के बाद भी एक तिहाई शिशुओं में इसका कारण पता नहीं लग पाता, फिर भी सम्भावित कारण निम्न है :-

- गर्भावस्था में शिशु में मस्तिष्क विकार (जैनेटिक कारण)
- समय से पूर्व जन्में शिशु खासकर 32 सप्ताह से पहिले, क्योंकि इस समय तक मस्तिष्क का पूर्ण विकास नहीं हो पाता।
- सही मस्तिष्क विकास के बाद भी प्रसव के दौरान व बादमें विकार आना जैसे - जन्म लेते ही शिशु का श्वांस नहीं लेना या सही ढंग से नहीं रोना।
- सही व साधारण प्रसव के बाद शिशु का समय पर फीड नहीं लेना, जिससे उसके खून में शुगर की मात्रा कम हो जाती है।
- मस्तिष्क का लकवा (स्ट्रोक)
- मस्तिष्क ज्वर

लक्षण

अधिकतर इनफैन्टाइल स्पाज्म 3 से 6 माह की आयु के बीच शुरू होते हैं किन्तु कभी 3 माह के पहले व 12 माह के बाद भी शुरू हो सकते हैं। इसे उम्र आधारित मिर्गी भी कहा जा सकता है।

आमतौर पर स्पाज्म (दौरे) एक या दो सैकेण्ड ही चलते हैं लेकिन 10-20 सैकण्ड तक भी आ सकते हैं।

सामान्यतया शिशु प्रत्येक स्पाज्म के बीच में ठीक हो जाता है, कई बार बिना स्पाज्म के भी दिन निकल जाता है । स्पाज्म अक्सर नींद से जागने के बाद आते हैं चाहे दिन हो या रात का समय।

इनफैन्टाइल स्पाज्म में सामान्यतया देखा जाता है कि

- शिशु सिर आगे की ओर बार बार झुकाता है।
- बाहें फैलाता है।
- पैर पेट की तरफ उठाता है।
- शिशु रोता है।

जब शिशु में पहली बार इनफैन्टाइल स्पाज्म आता है तो उसे पेट दर्द मान लिया जाता है। किन्तु पेट दर्द के साथ यह स्पाज्म नहीं होता है। शिशु में स्पाज्म शुरू होने से पहले ही मस्तिष्क का विकास होना धीमा पड़ जाता है। बाद में शिशु माँ-बाप की तरफ ध्यान नहीं देता।

स्पाज्म के कारणों का पता करना -

चिकित्सक द्वारा प्राप्त की जाने वाली सूचनायें :

- प्रसव के सम्बन्ध में जानकारियाँ
  - गर्भावस्था का पूर्ण विवरण
  - शिशु के जन्म व बाद की स्थिति
  - पारिवारिक विवरण
- शिशु न्यूरोलोजिस्ट द्वारा शिशु की विस्तृत शारीरिक जांच
- अन्य आवश्यक जांचे•
  - EEG (हिस्पेरिदमिया)
  - दिमाग की MRI (नींद में की जाती है)
  - जेनेटिक जांचे(Genetic Tests)

Normal EEG Awake

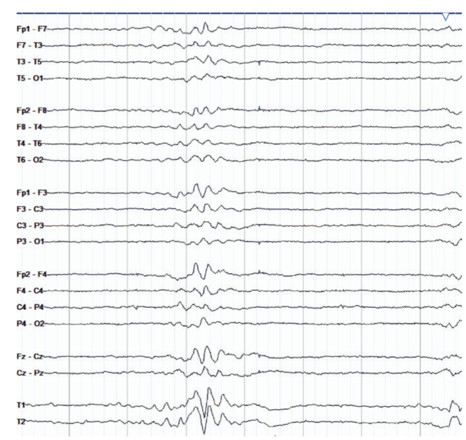

Infantile Spasms